अंक योजना (2022-23)

हिंदी (ऐच्छिक) कोड संख्या 002

कक्षा - बारहवीं

पूर्णांक :80

सामान्य निर्देश :

(1) इस अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है। इस प्रश्नपत्र में वस्तुपरक एवं वर्णनात्मक प्रश्न हैं। अत: अंक योजना में दिए गए वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर-बिंदु अंतिम नहीं हैं। ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं।

(2) यदि परीक्षार्थी इन सांकेतिक बिंदुओं से भिन्न, किंतु उपयुक्त उत्तर दें, तो उन्हें अंक दिए जाएँ।

(3) समान त्रुटियों के लिए स्थान-स्थान पर अंक न काटे जाएँ।

(4) गुणवत्तापूर्ण, सटीक उत्तर पर शत प्रतिशत अंक देने में किसी प्रकार का संकोच न किया जाए।

(5) मूल्यांकन में 0 से 100 प्रतिशत अंकों का पैमाना स्वीकार्य है।

(6) मूल्यांकन कार्य निजी व्याख्या के अनुसार नहीं, बल्कि अंक योजना के निर्देशानुसार ही किया जाए।

खंड - अ

प्रश्न 1 (1×10 =10)

(1) (ख) भौतिक साधनों की द्योतक है । (1)

(2) (ख) प्रत्यक्ष ,अप्रत्यक्ष (1)

(3) (घ) अति श्रेष्ठ (1)

(4) (ख) सभ्यता मानव के विकास का विधायक गुण है। (1)

(5) (क) आदाय-प्रदाय (1)

(6) (घ) हमारी सोच-समझ को उजागर करता है (1)

(7) (घ)संपन्नता (1)

(8) (घ) मानसिक त्रुटियों पर नियंत्रण पाने के लिए चेष्टावान रहे। (1)

(9) (ख) चारित्रिक पतन (1)

(10) (घ) विकारमुक्त व्यक्ति (1)

प्रश्न 2 **काव्यांश** – 1 (1×8 =8)

(1) (ख) दृढ़संकल्पी (1)

(2) (घ) चिरस्थायी (1)

(3) (ख) सब के अनुकूल स्वयं को ढाल लेती है। (1)

(4) (ग) कई बार या असंख्य बार का संकेत (1)

(5) (ग) मूक मिट्टी को मनुष्य इच्छानुसार रूप प्रदान करता है (1)

(6) (क) थिरकना (1)

(7) (क) सौ बार बने सौ बार मिटे (1)

(8) (ग) मिट्टी की महिमा द्वारा प्रेरणा देना (1)

काव्यांश – 2

(1) (ख) अपने लक्ष्य को पाकर रहेगा (1)

(2) (क) शारीरिक एवं मानसिक रूप से तैयार है। (1)

(3) (घ) प्राप्य को पाने के लिए सावधान (1)

(4) (ख) प्रतीकात्मक (1)

(5) (ख) स्थायित्व (1)

(6) (ग) उद्देश्य प्राप्ति के लिए दृढ़ संकल्पित रहना (1)

(7) (घ) कथन (A)सही है लेकिन कारण(R)उसकी गलत व्याख्या करता है। (1)

(8)(घ) अदम्य साहस का धनी है (1)

प्रश्न 3 (1×5=5)

(1) (ग) उपसंपादक (1)

(2) (ख) I-(iii). II-(iv) III-(i) IV-(ii) (1)

(3) (ख) स्ट्रिंगर किसी समाचार संगठन के लिए एक निश्चित मानदेय पर काम करने वाला पत्रकार है। (1)

(4) (घ) चित्रों के बिना खबर के बारे में दर्शकों को सीधे-सीधे बताता है। (1)

(5) (घ)प्रत्यक्षदर्शी (1)

प्रश्न 4 (1 × 6 = 6)

(1) (ग) स्नेह (1)

(2) (घ) पारिवारिक सदस्यों से बिछोह (1)

(3) (ग) केवल (ii) (1)

(4) (घ) प्रतिकूलताओं के आगे आत्मसमर्पण कर रहे हैं। (1)

(5) (ग) वियोगावस्था (1)

(6) (ख) बिथा मन ही राखो गोय (1)

प्रश्न 5 (1 × 6 = 6)

(1) (ग) अंतरद्वंद्व (1)

(2) (ख) शिक्षा प्रणाली पर व्यंग्य किया गया है। (1)

(3) (ख) कृत्रिमता का लबादा उतर गया। (1)

(4) (ग) स्तरानुसार शिक्षा के पक्षधर हैं। (1)

(5) (क) स्वाभाविक विकास हेतु सहज एवं आनंदपूर्ण वातावरण होना चाहिए। (1)

(6) (घ) कथन(A)सही है लेकिन कारण(R)उसकी गलत व्याख्या करता है। (1)

प्रश्न 6 (1× 5 = 5)

(1) (घ) (i), (ii) और (iii) (1)

(2) (ख) प्रदूषण (1)

(3) (ख) (ii) और (iii) (1)

(4) (ग) आकांक्षा का अधूरा रह जाना (1)

(5) (घ) अनेक स्रोतों का जल मिला होता है। (1)

खंड - ब वर्णनात्मक प्रश्न

प्रश्न 7 किसी एक शीर्षक पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख: (5)

- भूमिका - 1 अंक
- विषय वस्तु - 3 अंक
- भाषा - 1 अंक

प्रश्न 8 (3 ×2 =6)

(क)

- कविता हमारी संवेदना के निकट
- संपूर्ण सृष्टि से जुड़ने तथा उसे अपना बना लेने का बोध
- कविता व्यक्ति को भावुक कवि या सहृदय पाठक बनाती है।

(ख)

- रंगमंच प्रतिरोध का सशक्त माध्यम
- शाब्दिक अर्थ से व्यंजना की ओर ले जाने वाला
- नायक-प्रतिनायक एवं सूत्रधार द्वारा तनाव, उत्सुकता, रहस्य, रोमांच, उपसंहार की सशक्त संवाद द्वारा प्रस्तुति
- प्रभावी प्रस्तुति द्वारा सामाजिक जागरूकता

(ग)

- पात्रों के गुणों का कहानीकार द्वारा बखान। जैसे - डॉक्टर आलोक श्रीवास्तव शहर के जाने-माने डॉक्टर हैं। लगभग 20 वर्षों से वे मरीजों के लिए भगवान बने हुए हैं।
- पात्रों के कार्यों द्वारा जिससे गुण स्वतः ही उभरकर सामने आएँ। जैसे सड़क पर पड़े खून से लथपथ विनोद को देखते ही डॉक्टर आलोक श्रीवास्तव उसे अपनी कार में लेकर अस्पताल पहुँचे और तुरंत उसका इलाज शुरू कर दिया।
- किसी पात्र द्वारा अन्य पात्र का चरित्र-चित्रण अपने संवाद के माध्यम से करना।
  जैसे - विनोद अपने परिवार के सदस्यों को डॉक्टर आलोक श्रीवास्तव के बारे में बता रहा है।
  विनोद - "माँ, मैं तो बहुत बुरी हालत में सड़क पर पड़ा कराह रहा था। डॉक्टर साहब मुझे अस्पताल लाए और मेरा इलाज किया। डॉक्टर साहब सचमुच देवता हैं।"

प्रश्न - 9 (3 ×2 =6)

(क)

- उल्टा पिरामिड शैली
- क्योंकि इसमें सबसे महत्वपूर्ण तथ्य या सूचना यानी क्लाइमेक्स पिरामिड के सबसे निचले में न होकर ऊपर होता है

- इस शैली का प्रयोग 19वीं सदी के मध्य में शुरू हो गया था। इसका विकास अमेरिका के गृह युद्ध के बाद हुआ। धीरे-धीरे इस शैली का विकास हुआ और यह समाचार लेखन की मानक शैली बन गई।

(ख)

- फ़ीचर में लेखक के पास अपनी राय और भावनाएँ ज़ाहिर करने का अवसर।
- कोई एक फार्मूला नहीं, काफ़ी हद तक कथात्मक शैली
- भाषा सरल, रूपात्मक, आकर्षक और मन को छूनेवाली

प्रश्न 10. (2 ×2 = 4)

(क)

- बूँद की क्षणभंगुरता की व्याख्या
- क्षणभर के लिए ढलते सूरज से रंग जाना
- समुद्र से अलग अस्तित्व, नश्वरता के दाग से ,नष्ट होने के बोध से मुक्ति का अहसास
- कवि द्वारा जीवन में श्रम के महत्व को प्रतिपादित किया गया

(ख)

- कवि घनानंद की वियोगावस्था का मार्मिक वर्णन
- अपनी प्रेयसी सुजान की प्रतीक्षा में बेसब्र ,प्रतीक्षा करते-करते मरणासन्न दशा
- प्राण अटके हुए क्योंकि वे सुजान का संदेशा लेकर ही निकलना चाहते हैं

(ग)

- कवि विध्वंसकारी भूमिका में न होकर सृजन के लिए उपयुक्त भूमि तैयार करने की प्रेरणा देना
- चट्टानों और ऊसर भूमि को तोड़ने की बात ताकि सृजन प्रक्रिया शुरू की जा सके
- प्रकृति से मानव मन की तुलना करके नया आयाम
- मन में समाई ऊब और खीझ को तोड़ना आवश्यक

प्रश्न 11 (6 ×1 = 6)

प्रसंग - 2 अंक

व्याख्या - 2 अंक

विशेष +भाषा - 2 अंक

प्रश्न 12 (2 ×2 =4)

(क)

- बड़ी बहुरिया के कष्टों से हरगोबिन अत्यंत दुखी
- लक्ष्मी जैसी बहुरिया के गाँव छोड़कर चले जाने की बात सोचकर व्याकुल
- संवदिया और बड़ी बहुरिया के माध्यम से समाज के बड़े वर्ग के साथ संबंध, वर्तमान में बुज़ुर्गों और असहाय लोगों के प्रति कर्तव्यबोध का अभाव, संवदिया जैसी संवेदना आवश्यक

(ख)

- दिल्ली की भीड़ लोगों के दफ़्तरआने-जाने, बाज़ार से सामान खरीदने की भीड़, सभी के उद्देश्य अलग-अलग
- हर की पौड़ी की भीड़ में एकसूत्रता, क्षेत्र व जाति की असमानता के बाद भी समान उद्देश्य - जीवन के कल्याण की कामना, धार्मिक आस्था का भाव

(ग)

- शेर व्यवस्था का प्रतीक जिसके द्वारा आम जनता का संचालन
- नौकरी का आकर्षण लेकिन केवल दिखावा
- उसके मुँह में जाने वाला वापस नहीं आता, अस्तित्व समाप्त हो जाता है

प्रश्न 13 (6 × 1=6)

प्रसंग - 2 अंक

व्याख्या - 2 अंक

विशेष +भाषा - 2 अंक

प्रश्न 14 (3 ×1 = 3)

(क)

- विकास की औद्योगिक सभ्यता उजाड़ की अपसभ्यता, पर्यावरण असंतुलन, मौसम चक्र का बिगड़ना

- कारखाने व उद्योगों को शहरों से दूर लगाना, नदियों का संरक्षण, प्लास्टिक की थैलियों पर प्रतिबंध, अधिकाधिक वृक्षारोपण द्वारा स्वच्छ व प्रदूषण रहित पर्यावरण

(ख)

- झोंपड़ी जलने व रुपये चोरी होने से सूरदास अत्यंत निराश, कुछ व्यक्तियों की सूरदास से ईर्ष्या
- सूरदास द्वारा विषम परिस्थितियों का सामना साहस व धैर्य के साथ करना, क्षीणकाय, दुर्बल, सरलमना सूरदास आत्मबल के सहारे ईर्ष्या व अन्याय के विरुद्ध सफल

…………………………………………………………………………